DAY — 02 SEAT NUMBER

| 2025 | VI | 25 | 1100 | J-312 | (H) |
|---|---|---|---|---|---|

# HINDI (04)

Time : 3 Hrs. (16 Pages) Max. Marks : 80

## कृतिपत्रिका

*कृतिपत्रिका के लिए सूचनाएँ :*

*(१) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, विशेष अध्ययन तथा व्यावहारिक हिंदी की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।*

*(२) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही उपयोग कीजिए।*

*(३) सभी आकृतियों में उत्तर पेन से ही लिखना आवश्यक है।*

*(४) व्याकरण विभाग में पूछी गई कृतियों के उत्तरों के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।*

## विभाग - १. गद्य ( अंक-२० )

**कृति १ ( अ )** निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : ( ६ )

प्रभात का समय था, आसमान से बरसती हुई प्रकाश की किरणें संसार पर नवीन जीवन की वर्षा कर रही थीं। बारह घंटों के लगातार संग्राम के बाद प्रकाश ने अँधेरे पर विजय पाई थी। इस खुशी में फूल झूम रहे थे, पक्षी मीठे गीत गा रहे थे, पेड़ों की शाखाएँ खेलती थीं और पत्ते तालियाँ बजाते थे। चारों

तरफ खुशियाँ झूमती थीं। चारों तरफ गीत गूँजते थे। इतने में साधुओं की एक मंडली शहर के अंदर दाखिल हुई। उनका खयाल था - मन बड़ा चंचल है। अगर इसे काम न हो, तो इधर-उधर भटकने लगता है और अपने स्वामी को विनाश की खाई में गिराकर नष्ट कर डालता है। इसे भक्ति की जंजीरों से जकड़ देना चाहिए। साधु गाते थे -

सुमर-सुमर भगवान को,
मूरख मत खाली छोड़ इस मन को।

जब संसार को त्याग चुके थे, उन्हें सुर-ताल की क्या परवाह थी। कोई ऊँचे स्वर में गाता था, कोई मुँह में गुनगुनाता था। और लोग क्या कहते हैं, इन्हें इसकी जरा भी चिंता न थी। ये अपने राग में मगन थे कि सिपाहियों ने आकर घेर लिया और हथकड़ियाँ लगाकर अकबर बादशाह के दरबार को ले चले।

(१) संजाल पूर्ण कीजिए : (२)

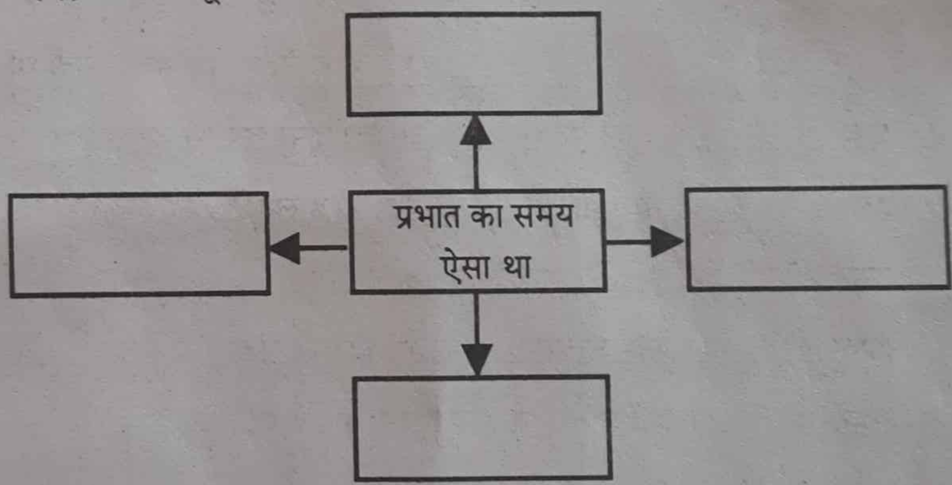


(२) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में आए हुए समानार्थी शब्द ढूँढ़कर लिखिए। (२)

(१) सुबह — ☐
(२) गगन — ☐
(३) बारिश — ☐
(४) आनंद — ☐

(३) 'संगीत जीवन को आनंदमय बनाता है' इस कथन पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(आ) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए। (६)

मैं पढ़-लिखकर नौकरी करने लगा। मौसी से भेंट-मुलाकात कम हो गई। दिलीप का एडमिशन जब एम्स में हुआ था तो मौसा की पोस्टिंग दिल्ली में ही थी। उसने मेडिकल की पढ़ाई भी पूरे ऐश-ओ-आराम के साथ की थी। आगे की पढ़ाई के लिए वह लंदन चला गया। एक बार जो वह लंदन गया तो वहीं का होकर रह गया। जब तक विवाह नहीं हुआ था तब तक तो आना-जाना प्राय: लगा रहता था। विवाह के बाद उसकी व्यस्तता बढ़ती गई तो आना-जाना भी कम हो गया। मौसी भी कभी-कभी लंदन आती-जाती रहती थीं।

मौसी जब कभी अपनी ससुराल आती थीं तो नैहर भी अवश्य आती थीं। एक बार गाँव में अकाल पड़ा था। वह अकाल दूसरे वर्ष भी दुहरा गया। पूरे इलाके में हाहाकार मचा था। मौसी उन लोगों की हालत देखकर द्रवित हो गईं। उसने अपनी ससुराल से सारा जमा अन्न मँगवाया और बाजार से भी आवश्यकतानुसार क्रय करवाया। तीसरे ही दिन से भंडारा खुल गया। मौसी अपने गाँव की ही नहीं बल्कि पूरे इलाके की आदर्श बेटी बन गई थीं।

(१) उत्तर लिखिए : (२)

(१) दिलीप का एडमिशन — ----------

(२) मौसा की पोस्टिंग — ---------

(३) आगे की पढ़ाई के लिए वह — ---------

(४) गाँव में पड़ा था — ---------

(२) गद्यांश में आए हुए शब्द-युग्म ढूँढ़कर लिखिए। (२)

(१) ---------

(२) ---------

(३) ---------

(४) ---------

(३) 'माँ का प्रेम' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(इ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए (कोई दो): (६)

(१) निराला जी की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(२) पाप के चार हथियार निबंध का उद्‌देश्य स्पष्ट कीजिए।

(३) 'उड़ो बेटी, उड़ो! पर धरती पर निगाह रखकर' इस पंक्ति में निहित सुगंधा की माँ के विचार स्पष्ट कीजिए।

(ई) निम्नलिखित प्रश्नों के मात्र एक वाक्य में उत्तर लिखिए (कोई दो): (२)

(१) हिंदी के कुछ आलोचकों द्‌वारा महादेवी वर्मा को दी गई उपाधि —

(२) लेखक कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' जी की भाषाशैली—

(३) आशारानी व्होरा जी की रचनाएँ —

(४) डॉ. कृष्णकुमार मिश्र जी की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए —

## विभाग - २. पद्‌य (अंक-२०)

कृति २ (अ) निम्नलिखित पद्‌यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

प्रीति की राह पर चले आओ,
नीति की राह पर चले आओ।
वह तुम्हारी ही नहीं, सबकी है,
गीति की राह पर चले आओ।

साथ निकलेंगे आज नर-नारी,
लेंगे काँटों का ताज नर-नारी।
दोनों संगी हैं और सहचर हैं,
अब रचेंगे समाज नर-नारी।

वर्तमान बोला, अतीत अच्छा था,
प्राण के पथ का मीत अच्छा था।
गीत मेरा भविष्य गाएगा,
यों अतीत का भी गीत अच्छा था।

(१) कृति पूर्ण कीजिए : (२)

(i)

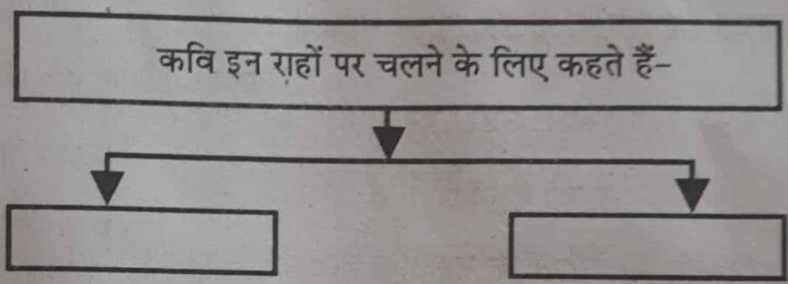


(ii)

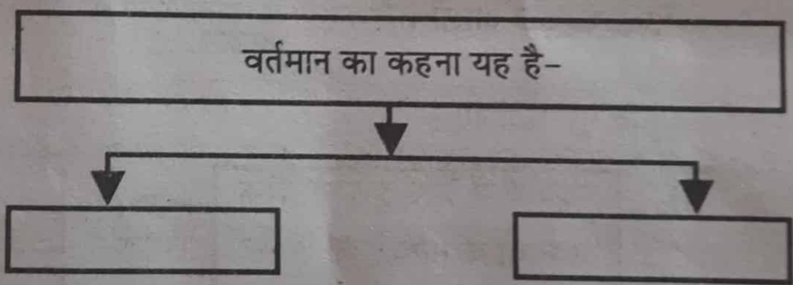


(२) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए : (२)

| | | |
|---|---|---|
| नारी | — | |
| नीतियाँ | — | |
| राह | — | |
| काँटे | — | |

(३) 'धरती से जुड़ा रहकर ही मनुष्य अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है,' इस पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(आ) निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

आइल बसंत के फूल रे, सुनु रे सखिया।
सरसों सरसाइल
अलसी अलसाइल
धरती हरसाइल
कली-कली मुसुकाइल बन के फूल रे, सुनु रे सखिया।।
आइल......
खेत बन रँग गइल
तन मन रँग गइल
अइसन मन भइल
जइसे इंद्रधनुष के फूल रे, सुनु रे सखिया ।।
आइल......
अँखिया कजराइल
सपना मुसुकाइल
कंठ राग भराइल
बगिया फूलल यौबन फूल रे, सुनु रे सखिया ।।
आइल......

(१) आकृति पूर्ण कीजिए :

(i) 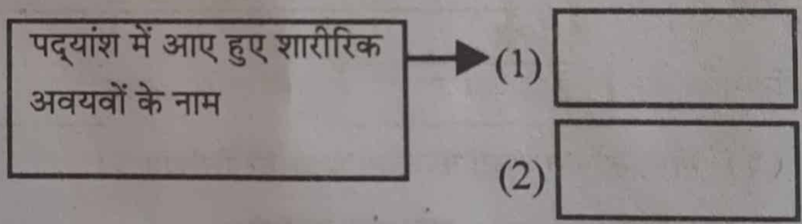

(१)

(ii) 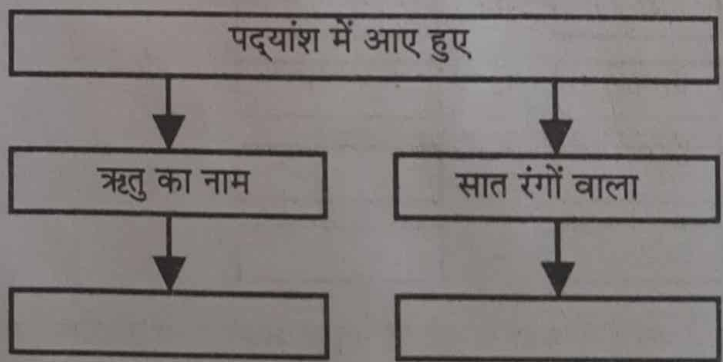

(१)

(२) सहसंबंध लिखिए। (२)

| | | | |
|---|---|---|---|
| (१) | सरसों | — | हरसाइल |
| (२) | अलसी | — | सरसाइल |
| (३) | धरती | — | मुसुकाइल |
| (४) | कली-कली | — | अलसाइल |

(३) 'प्राकृतिक सौंदर्य का महत्त्व' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

**(इ)** निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 'वृंद के दोहे' कविता का रसास्वादन कीजिए : (६)

(१) रचनाकार का नाम — (१)

(२) पसंद की पंक्तियाँ — (१)

(३) पसंद आने के कारण — (२)

(४) कविता की केंद्रीय कल्पना — (२)

**अथवा**

'पेड़ हौसला है' इस कथन के आधार पर कविता का रसास्वादन कीजिए।

**(ई)** निम्नलिखित प्रश्नों के केवल <u>एक</u> वाक्य में उत्तर लिखिए (कोई <u>दो</u>) : (२)

(१) कवि डॉ. जगदीश गुप्त जी की दो रचनाओं के नाम लिखिए —

(२) गुरूनानक जी की रचना का नाम लिखिए —

(३) कैलाश सेंगर जी की प्रसिद्ध रचनाओं के नाम लिखिए —

(४) लोकगीतों के दो प्रकार लिखिए —

## विभाग - ३. विशेष अध्ययन (अंक-१०)

कृति ३ (अ) निम्नलिखित काव्य पंक्तियाँ पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

अपनी जमुना में
जहाँ घंटों अपने को निहारा करती थी मैं
वहाँ अब शस्त्रों से लदी हुई
अगणित नौकाओं की पंक्ति रोज-रोज कहाँ जाती है?
धारा में बह-बहकर आते हुए टूटे रथ
जर्जर पताकाएँ किसकी हैं?
हारी हुई सेनाएँ, जीती हुई सेनाएँ
नभ को कँपाते हुए युद्‌ध घोष, क्रंदन-स्वर,
भागे हुए सैनिकों से सुनी हुई
अकल्पनीय अमानुषिक घटनाएँ युद्‌ध की
क्या ये सब सार्थक हैं?
चारों दिशाओं से
उत्तर को उड़-उड़कर जाते हुए
गृद्‌धों को क्या तुम बुलाते हो

(१) उत्तर लिखिए : (२)

युद्‌ध का परिणाम

(१) ____________

(२) ____________

(३) ____________

(४) ____________

(२) उचित मिलान कीजिए। (२)

| | | |
|---|---|---|
| (१) शस्त्र | — | ध्वज |
| (२) पताका | — | हथियार |
| (३) जमुना | — | असंख्य |
| (४) अगणित | — | नदी |

(३) 'युद्ध की भीषणता' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(आ) निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> प्रश्न का उत्तर लगभग ८० से १०० शब्दों में लिखिए : (४)

(१) राधा की दृष्टि से जीवन की सार्थकता लिखिए।

(२) 'कनुप्रिया' की वेदना को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

## विभाग - ४. व्यावहारिक हिंदी, अपठित गद्यांश एवं पारिभाषिक शब्दावली (अंक-२०)

कृति ४ (अ) निम्नलिखित का उत्तर लगभग १०० से १२० शब्दों में लिखिए : (६)

'चन्द्रयान -३' इस पर फीचर लेखन कीजिए।

**अथवा**

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए :

जीववैज्ञानिकों द्वारा लंबे समय तक किए गए अध्ययनों से ज्ञात हुआ है कि जमीन और पानी के सभी जीव अलग-अलग उद्देश्यों की पूर्ति के लिए प्रकाश उत्पन्न करते हैं। यहाँ यह स्पष्ट कर देना आवश्यक है कि एक जीव द्वारा उत्पन्न किया गया प्रकाश दूसरे जीव द्वारा उत्पन्न किए गए प्रकाश से पूरी तरह भिन्न होता है अर्थात् सभी जीव अलग-अलग तरह का प्रकाश उत्पन्न करते हैं।

प्रकाश उत्पन्न करने वाले जीवों द्वारा प्रकाश उत्पन्न करने के निम्न उद्देश्य होते हैं: -

- साथी की खोज और संकेतों का आदान-प्रदान।
- शिकार की खोज और शिकार को आकर्षित करना।
- कामाफ्लास (camoflauge) उत्पन्न करना।
- आत्मरक्षा

गहरे सागरों के अनेक जीव शिकार की खोज के लिए अपने शरीर से प्रकाश उत्पन्न करते हैं। एंगलर ऐसी ही मछली है। सागरों और महासागरों के बहुत-से जीव विशेष रूप से मछलियाँ कामाफ्लास के लिए प्रकाश उत्पन्न करती हैं। कामाफ्लास किसी जीव की वह स्थिति होती है, जिसमें वह अपने परिवेश से इतना घुल-मिल जाता है कि सरलता से दिखाई नहीं देता। इससे उसे शिकार करने और सुरक्षित रहने में सुविधा होती है।

(१) प्रवाहतालिका पूर्ण कीजिए : (२)

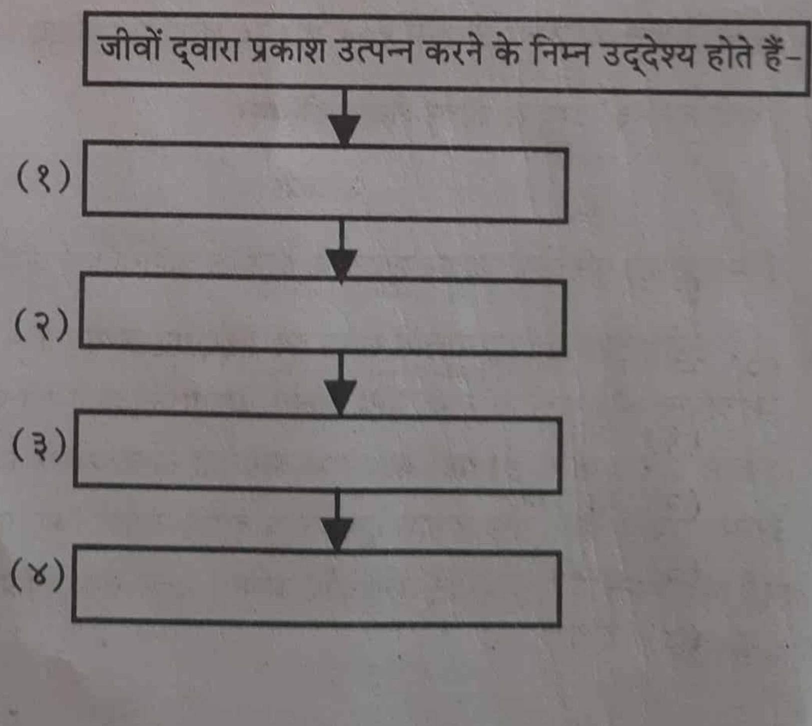

(२) उपर्युक्त गद्यांश में आए हुए विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए:- (२)

(१) अंधकार — ______

(२) अज्ञात — ______

(३) कठिनता — ______

(४) असुविधा — ______

(३) 'मानव की उन्नति में विज्ञान का महत्त्व' इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(आ) निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर लगभग ८० से १०० शब्दों में लिखिए : (४)

(१) सूत्र संचालन के विविध प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

(२) ब्लॉग लेखन के लिए आवश्यक गुणों पर प्रकाश डालिए।

**अथवा**

सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए :

(१) 'पल्लवन' में भाव विस्तार के साथ ______ का स्थान भी महत्त्वपूर्ण होता है। (१)

(१) लेखन

(२) भाषण

(३) चिंतन

(४) वाचन

(२) स्नेहा की पत्रकारिता और विशेष रूप में ______ लेखन में बहुत रुचि थी। (१)

(१) फीचर

(२) पल्लवन

(३) ब्लॉग

(४) निबंध

(३) कार्यक्रम कोई भी हो, मंच की ——— बनी रहे। (१)

(१) व्यवस्था

(२) गरिमा

(३) महिमा

(४) प्रतिमा

(४) ब्लॉग लेखन में ——— भाषा का प्रयोग होना चाहिए। (१)

(१) ग्रामीण

(२) बोली

(३) मानक

(४) मिश्र

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : (६)

हमें किसी व्यवसाय के चुनने अथवा छोड़ने में चंचलता अथवा जल्दी नहीं करनी चाहिए। कभी-कभी जब मनुष्य अपने व्यवसाय में हजार प्रयत्न करने पर भी सफल नहीं होता तब उसे व्यवसाय बदलकर दूसरा चुनने की आवश्यकता अवश्य होती है। परंतु इससे यह भी सिद्ध होता है कि उसने व्यवसाय को चुनने में बड़ी गलती की। ऐसी गलतियाँ कई कारणों से -बुरी संगति, अचानक घटना, माता-पिता की बुद्धिहीनता अथवा अधूरी शिक्षा के कारण बहुधा हुआ करती हैं। परंतु युवावस्था में मन बहुत चंचल रहता है। किसी काम को खूब सोच-समझकर करना चाहिए। प्राय: ऐसा भी देखा जाता है कि अनेक युवक उस कार्य को करते हैं जिसमें वे कभी सफल नहीं हो सकते और कुछ युवक भ्रमवश उस व्यवसाय को छोड़ बैठते हैं जिसमें थोड़े ही अधिक परिश्रम से वे सफलीभूत हो जाते। ध्यान रखने की बात है कि जो व्यवसाय किसी भी दृष्टि से जितना ही अधिक अच्छा होगा, उसमें सफलता प्राप्त करने के लिए उतना ही अधिक समय और परिश्रम भी लगेगा। हाँ, जिस राह से हम

जा रहे हैं उस राह में यदि सिंह मिल जाए तो हमारा यह सोचना बिलकुल स्वाभाविक होगा कि उस रास्ते के सिवा संसार में अन्य किसी रास्ते में सिंह आ ही नहीं सकता, परंतु बिना परिश्रम के कुछ भी नहीं मिल सकता। इसलिए बाधाओं का सामना करते हुए अपने एक बार के चुने हुए व्यवसाय में दृढ़तापूर्वक लगे रहना श्रेयस्कर है। बहुत-से युवक अपनी योग्यता की डींग हाँके बिना संतुष्ट नहीं होते।

(१) तालिका पूर्ण कीजिए : (२)

व्यवसाय में असफलता के कारण -

(१) ______

(२) ______

(३) ______

(४) ______

(२) उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित शब्दों के प्रत्ययुक्त शब्द ढूँढ़कर लिखिए : (२)

(१) चंचल

(२) आवश्यक

(३) सफल

(४) योग्य

(३) "व्यवसाय के प्रति युवाओं का दृष्टिकोण" इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (२)

(ई) निम्नलिखित में से किन्हीं चार पारिभाषिक शब्दों के लिए हिंदी शब्द लिखिए : (४)

(१) Judge –

(२) Invalid –

(३) Bank Statement –

(४) Balance Sheet –

(५) Friction –

(६) Antiseptics –

(७) Graphic Table –

(८) Auxiliary Memory –

## विभाग - ५. व्याकरण (अंक-१०)

कृति ५ (अ) निम्नलिखित वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचनाओं के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए (कोई दो): (२)

(१) संयोग से तभी उन्हें कहीं से तीन सौ रुपये मिल गए थे।
(सामान्य भूतकाल)

(२) मैं आपकी हर आज्ञा का सिर और सिर के साथ दिल झुकाकर पालन करता हूँ।
(सामान्य भविष्यकाल)

(३) नये मूल्यों के निर्माण का दम-खम अभी उसमें नहीं था।
(पूर्ण वर्तमानकाल)

(४) मन बहुत दुखी होता है।
(अपूर्ण भूतकाल)

(आ) निम्नलिखित पंक्तियों में उद्‌धृत अलंकार पहचान कर उनके नाम लिखिए (कोई दो): (२)

(१) चरण-सरोज पखारन लागा।

(२) राधा वदन चंद सो सुंदर।

(३) हनुमंत की पूँछ में लग न पाई आग।
लंका सगरी जल गई, गए निशाचर भाग।।

(४) एक म्यान में दो तलवारें, कभी नहीं रह सकती हैं।
किसी और पर प्रेम पति का, नारियाँ नहीं सह सकती हैं।

(इ) निम्नलिखित पंक्तियों में उद्धृत रस पहचान कर उनके नाम लिखिए (कोई दो): (२)

(१) सुड़क, सुड़क घाव से पिल्लू (मवाद) निकाल रहा है,
नासिका से श्वेत पदार्थ निकाल रहा है।

(२) एक अचंभा देखा रे भाई।
ठाढ़ा सिंह चरावै गाई।
पहले पूत पाछे माई।
चेला के गुरू लागे पाई।।

(३) कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात।
भरे भौन में करत हैं, नैननु ही सौं बात॥

(४) तू दयालु दीन हौं, तू दानि हौं भिखारि।
हौं प्रसिद्ध पातकी, तू पाप पुंजहारि।।

(ई) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर उचित वाक्यों में प्रयोग कीजिए (कोई दो):(२)

(१) विवश होना।

(२) धरती पर निगाह रखना।

(३) मरने की फुरसत न होना।

(४) वीरगति को प्राप्त होना।

(उ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए (कोई दो): (२)

(१) दो रोटियाँ माँगकर खा लिया।

(२) मन बड़ी चंचल हैं।

(३) वर्तमान युग वीज्ञान और प्रौद्योगिकी की युग है।

(४) मौसी फिर उसी कुरसी पर आकर बैठ गया।

◆◆◆